National Conference
Pre – Event Press Meet

Inductus Foundation

Spreading Smiles

THE TIMES OF INDIA

THE TIMES OF INDIA, PATNA
WEDNESDAY, SEPTEMBER 21, 2011

Two-day conference on agriculture

Patna: Inductus Foundation, a corporate social responsibility (CSR) unit of Inductus Consultants Limited, will organize a two-day national conference on development of agriculture in Bihar — 'A farmer's journey from field to industry' — at the Indira Gandhi planetarium auditorium here from September 22.

Inductus has identified agriculture and development of human resources as the core areas of its CSR initiatives. This conference aims to help the various stakeholders of agriculture to decide the future path of action for industrialization of agriculture

"In Bihar, marketing, processing and storage of agricultural produce are serious problems, which adversely affect the profitability of agriculture for farmers. To address the productivity and profitability issues, this conference has been organized," said Alok Kumar, MD, Inductus Foundation, here.

"The idea behind organizing this conference is to provide a platform to all major stakeholders of agriculture – including farmers, policymakers and industrialists — to find a solution for the development and growth of agriculture in the state," said KR Maurya, director, Inductus Foundation.

"India is a country where the source of livelihood of 65% people is agriculture and animal husbandry. This is the reason that India is known as an agriculturally rich country. The economy of Bihar is governed by agriculture. Here 92% farmers are marginal and small farmers. The technology developed for the big farmer does not suit marginal and small farmers," said MD Kumar.

In this conference, various agriculture scientists, policymakers, industrialists, representatives of corporate sector, professors and students from different universities of the state would be participating. The foundation has also invited a large number of progressive farmers to participate in it.

In all, 40 research papers will be presented by various scientists during the conference. TNN

hindustan times

WEDNESDAY, SEPTEMBER 21, 2011

SEMINAR ON AGRI DEVELOPMENT FROM TOMORROW

HT Correspondent
htpletters@hindustantimes.com

PATNA: With a view to overcoming the problems that restrict production and productivity of crops and profitability of farmers, Inductus Foundation (IF) is organising a national conference on development of agriculture in Bihar here on September 22.

Scientists from different fields would present around 40 research papers on 'A farmer's journey from field to industry' at the two-day conference.

"Bihar's economy is governed by agriculture. Altogether 92% of the farmers in the state are marginal and small and the technologies developed for big farmers do not suit them. So, our foundation has taken the lead to provide appropriate technology to farmers of every scale," said IF director KR Maurya.

"The conference is aimed at providing a platform to all farmers, policy makers and industrialists, the major stakeholders of agriculture, with an objective to find the solution for development and growth of agriculture in Bihar," said IF managing director Alok Kumar.

Agricultural scientists, policy makers, industrialists, corporate sector representatives, professors and students from different universities of Bihar would participate in the two-day conference, added Kumar. "A large number of progressive farmers have also been invited to attend the conference," he said.

हिन्दुस्तान

पटना • बुधवार • 21 सितम्बर 2011

कृषि को बढ़ावा देने के लिए जुटेंगे कृषि वैज्ञानिक

पटना। राज्य के किसानों को कृषि से संबंधित जानकारी देने के लिए देश के कई कृषि वैज्ञानिक गुरुवार को पटना आ रहे हैं। ये सभी वैज्ञानिक इंडक्ट्स फाउंडेशन द्वारा तारामंडल में आयोजित सेमिनार में भाग लेंगे। इनमें मुख्य रूप से डॉ. केपी सिंह, डॉ. पीके राय, डॉ. केएम सिंह, डॉ. मनोज कुमार एवं डॉ. बीएम सिंह सहित कई कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे। सेमिनार का विषय है : एक किसान की यात्रा खेत से कारखाना तक। सेमिनार में कृषि विकास तथा कृषि के औद्योगिकीकरण विषयों पर कुल 40 अनुसंधान पत्रों पर परिचर्चा होगी। सेमिनार दो दिनों तक चलेगा। यह जानकारी इंडक्ट्स फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार कृषि के औद्योगिकीकरण के लिए बिहार में नए द्वार खोलेगा। इससे बिहार के किसानों की माली हालत सुधरेगी। कृषि के विकास से ही राज्य का विकास हो सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. के आर मौर्या ने बताया कि सेमिनार में कृषि वैज्ञानिकों के अलावा योजना निर्माणकर्ता, कृषि विभाग के प्रशासनिक पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रशिक्षित किसान भाग लेंगे। **हिप्र**

आज

बुधवार, २१ सितम्बर, २०११

बिहार में कृषि आधारित उद्योग की आवश्यकता : आलोक

'एक किसान की यात्रा-खेत से कारखाना तक' संगोष्ठी २२ से

(आज समाचार सेवा)

पटना। बिहार में कृषि आधारित उद्योग धंधे की नितांत आवश्यकता है। झारखंड बंटवारे के बाद बिहार की एकमात्र जमापूंजी कृषि है। इसलिए किसानों को अधिक से अधिक लोभ मिले इसके लिए उसकी फसल का भंडारण- प्रसंस्करण एवं विपणन की ऐसी नीति तैयार किया जाय जिससे उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाभ हो। यह बातें आज पाटलिपुत्रा स्थित इंडक्ट्स कंसल्टेन्ट की इकाई इंडक्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले कृषि के विकास पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी-२०११ के अवसर पर संवाददाता सम्मेलन में फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कही। इस अवसर पर डा. केआर मौर्या ने भी संबोधित किया।

प्रबंध निदेशक श्री कुमार ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि संगोष्ठी के माध्यम से इंडक्ट्स फाउंडेशन कृषि के विकास के तीनों घटक किसान, नीति निर्माता और उद्योग को एक मंच पर कृषि विकास के लिए जरूरी तत्वों का मूल्यांकन एवं समीक्षा करेगी। हर जिलों में उस क्षेत्र में उपजने वाली फसलों पर आधारित उद्योग होने से किसानों को उकनी फसल का सही कीमत मिलेगा।

उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में चर्चा का मुख्य विषय-एक किसान की यात्रा खेत से कारखाना तक होगा। इस संगोष्ठी में करीब ७० कृषि वैज्ञानिक, योजना निर्माणकर्ता, कृषि विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सहित किसान भाग लेंगे। संगोष्ठी में कृषि विकास तथा कृषि के औद्योगिकरण विषयों पर कुल ४० अनुसंधान पत्रों का प्रस्तुतिकरण तथा उनपर परिचर्चा होगी।

प्रबंध निदेशक श्री कुमार ने कहा कि इन्डक्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी कृषि के औद्योगिकरण का बिहार में नया द्वार खोलेगी, जिससे बिहार के किसानों की माली हालत में सुधार होगा। कृषि के विकास से ही बिहार का सम्पूर्ण विकास हो सकता है।

वहीं डा. आरके मौर्या ने बताया कि किसानों द्वारा उत्पादित कुल उत्पादन का ४० प्रतिशत सही प्रसंस्करण के अभाव में नष्ट हो जाता है। जिससे उन्हें घाटा उठाना पड़ता है। डा. मौर्या ने कहा कि अभी भी बिहार कई फसलों में देश में अग्रणी है। जिनके सही भंडारण-प्रसंस्करण एवं विपणन से किसानों को लाभ मिलेगा।

सन्मार्ग

पटना, बुधवार 21 सितम्बर 2011

छायादार जगहो पर हल्दी की खेती लाभकारी : मौर्य

वरीय संवाददाता

पटना: देश केजाने माने वैज्ञानिक व इंडक्टस फाउंडेशन के निदेशक डा. के आर मौर्य ने कहा कि उनके बिहार को कृषि के क्षेत्र में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत भूमिहीन किसानों को भी गार्डेन खेती का तकनीक खिखाया जाएगा। उन्हें कहा आम व अन्य फलदार वृक्ष वाले बगीचे में हल्दी की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते है अगर टमाटर की खेती करने वाले किसान अगर टमाटर के लत्ती के सपोर्ट में एक लकड़ी गाड़ दे उनकी उपज दुगनी हो सकती है। उन्होंने छोटे जोत वाले किसान को जल्द तैयार होने वाले फसल की खमती कर अपनी आमदनी विकसित करने की सलाह दी। ये किसान हरी मिर्च, मूली, पालक, लाग साग, पोय साग, हरी धनिया जैसी

फासल की सताह दी।उन्होंने कहा कि उनका संस्थान किसानो को पैसा न देकर उन्हे उन्नत तकनीक का सलाह देकर खुशहाल करने की बात करता है। उन्होंने कहा कि उनके संस्थान के द्वारा राज्य में कृषि के विकास पर आगामी 22 व23 सितम्बर को स्थानीय तारामंडल सभागार में एक राष्ट्रीय सतर की संगोष्ठी का आयोजन किया है। जिसमें देशभर लगभग 70 वैजानिक व राज्य के सौ किसान शामिल होंगे। इसमें 40 वैज्ञानिक अपना रिसर्च पेपर दाखिल भी करेंगे। इस संगोरूठी का थीम होगा कि राज्य में कृषि का विकास कैसे किया जा सके। इस संगोष्ठी का उद्घाटन राज्य के परिवहन व सूचना जनसंपर्क मंत्री वृशिण पटेल व सांसद रामसुन्दर दास करेंगे। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक आरकेनी सिंह,डा.केएम सिंह, डा.बीएम सिंह, डा. पीके राय, डा. मनोज कुमार, सीआईआई के अर्चन देव समेत कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

प्रभात खबर

बुधवार, 21 सितंबर, 2011

22 सितंबर को जुटेंगे कृषि क्षेत्र के महारथी

संवाददाता ■ पटना

कृषि के क्षेत्र में बिहार का विकास कैसे हो, कृषि उद्योग का रूप कैसे ले, किसानों को कैसे अधिक से अधिक लाभ मिले, इन सब बातों की जानकारी 22- 23 सितंबर को होनेवाले राष्ट्रीय सेमिनार में दी जायेगी.

देंगे जानकारी

ये बातें इंडक्स कंसल्टेंट फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं. उन्होंने कहा- तारामंडल में सुबह 10 बजे सेमिनार की शुरुआत होगी. इसमें देश भर के 70 कृषि वैज्ञानिक, फिक्की और सीआइआइ के सदस्य और बिहार के विभिन्न जिलों के 100 प्रगतिशील शामिल होंगे. सेमिनार में चर्चा का मुख्य विषय होगा-एक किसान की यात्रा खेत से कारखाना तक. राजेंद्र कृषि विश्व

'एक किसान की यात्रा खेत से कारखाना तक' होगा चर्चा का मुख्य विषय

विद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) के पूर्व कुलपति व इंडक्स कंसल्टेंट फाउंडेशन के डायरेक्टर प्रो केआर मौर्या ने कहा कि बिहार की भूमि काफी उपजाऊ है, किसान भी बहुत मेहनती हैं लेकिन कृषि का जितना यहां विकास होना चाहिए था वह नहीं हो पाया है. किसान कैसे अधिक से अधिक मुनाफा कमाएं और बिहार कैसे कृषि के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बने, इसी को ध्यान में रख सेमिनार किया जा रहा है. सेमिनार में कृषि विकास व कृषि के औद्योगिकीकरण विषय पर 40 अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किये जायेंगे. किसानों के लिए एक हेल्प लाइन का भी उद्घाटन किया जायेगा.

राष्ट्रीय सहारा

बुधवार • 21 सितम्बर • 2011

संगोष्ठी 22-23 को

पटना। सूबे में कृषि विकास को लेकर 22 एवं 23 सितम्बर को पटना में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इसकी जानकारी इंडक्टस फाउन्डेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि यह संगोष्ठी कृषि के औद्योगिकीकरण में बिहार के लिए नए द्वार खोलेगी। इससे सूबे के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संगोष्ठी में बिहार के अलावा अन्य प्रदेशों के कृषि वैज्ञानिक समेत सैकड़ों किसान हिस्सा ले रहे हैं। संगोष्ठी में कृषि विकास तथा कृषि के औद्योगिकीकरण विषय पर चालीस अनुसंधान पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा, जिन पर दो दिनों तक चर्चा होगी। इधर, राष्ट्रीय प्रगति पार्टी के प्रदेश किसान प्रकोष्ठ की बैठक हुई।

दैनिक जागरण

पटना, 21 सितंबर 2011

राजधानी में वैज्ञानिकों का जमावड़ा

पटना : राजधानी में आगामी 22 एवं 23 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के वैज्ञानिकों का जमावड़ा लगेगा। संगोष्ठी का आयोजन इंडक्ट्स फाउण्डेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। ये बातें मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक प्रो .के .आर .मौर्या, इंडक्ट्स कंसल्टेंट के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कहीं।

The Telegraph

WEDNESDAY 21 SEPTEMBER 2011

Conference

Patna: Inductus Foundation would organise a two-day national conference for development of agriculture, on September 22 and 23.

Launch of **Inductus – Hindustan** Agriculture Helpline Number 92346 92346

Inductus Foundation

Spreading Smiles

हिन्दुस्तान
पटना • गुरुवार • 22 सितम्बर 2011

सितम्बर माह के प्रमुख कृषि कार्य

खेती-बारी की दृष्टि से सितम्बर का महीना अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। इस महीने में कुछ खरीफ फसले जैसे मक्का वगैरह तैयार हो जाती हैं और कुछ रबी की आगात फसलों की बोआई की जाती है। किसान इस महीने में निम्नलिखित कृषि क्रियाओं पर ध्यान दें तो उन्हें फसलों की अच्छी पैदावार और लाभ मिल सकते हैं।

खेती गृहस्थी

• यदि धान की निकौनी नहीं की गई हो तो इसे अवश्य कर दें। धान की अच्छी उपज के लिए खेते में कम से कम 5 सेन्टीमीटर पानी अवश्य लगा रहना चाहिए।

• धान मे गंधीदग कीट के नियत्रण के लिए फोलीडोल या मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत या क्विनलफॉस 1.5 प्रतिशत धूल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सुबह में छिडकाव करें।

• ब्राउन प्लांट हॉपर (बी.पी.एच.) के नियंत्राण के लिए थिमेट 10 प्रतिशत दानेदार दवा 10 किलोग्राम, 25 किलोग्राम नीम की खल्ली में मिला कर प्रति हेक्टेयर की दर से खड़ी फसल में छींट दें।

• धान में खैरा रोग के लक्षण दिखाई देते ही 5 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 2.5 किलोग्राम बुझे हुए चूने के साथ मिलाकर 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

• उड़द तथा मूंग की फसल में पीला मोजैक से आक्रांत पोधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें।

• खरीफ मक्का की तैयार फसल की कटाई करें तथा आगात फूल गोभी की फसल को कीड़ो से बचाव के लिए 3 ग्राम मैलाथियान दवा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें तथा इसमें टीपॉल स्टीकर या सनलाइट साबुन का घोल मिला लें।

• मध्यकालीन सीजन फूलगोभी, आगात टमाटर तथा सौफ के बीज की बुआई नर्सरी में बीजोपचार के बाद करें।

• बैगन तथा लाल मिर्च की फसल की निकाई-गुडाई करें तथा यूरिया की अन्तिम किस्त का उपरिवेशन अवश्य कर दें।

• हल्दी तथा अदरक की फसल की निकाई-गुड़ाई करके यूरिया 45 किलो को एक क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट में मिला कर दो पंक्तियों के बीच भुरक कर मिट्टी में मिला दें। जल जमाव से फसल को बचायें।

• वर्षा ऋतु के प्रारंभ में लगाये गये फसलों यथा- आम, लीची, अमरूद, केला, कटहल, बेल तथा आँवले के पौधें के चारों तरफ निकौनी करके खर-पतवार निकाल दें ताकि पौधें की अच्छी वृद्धि हो सके।

• आगात पालक, लालसाग तथा पूसा वेतकी मूली एवं हरी पत्तियों हेतु पंजाबी धनिया की बुनाई करें।

• वर्षा ऋतु के अन्त में प्रत्येक पशु को कृमि निरोधक दवा खिलाना नहीं भूलें।

• तम्बाकू की सोना प्रभेद की रोपनी करें।

• रबी फसल के लिए खेत की तैयारी करें।

प्रस्तुति: के. आर. मौर्य, पूर्व कुलपति
उपर्युक्त विषय पर अधिक जानकारी के लिए सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें:-
इन्डफ्ट - हिन्दुस्तान कृषि हेल्पलाइन
नम्बर 9234692346

National Conference Coverage by Press

Inductus Foundation

Spreading Smiles

hindustan times

HINDUSTAN TIMES, PATNA
FRIDAY, SEPTEMBER 23, 2011

NATIONAL CONFERENCE

Stress on industry connect, scientific agriculture to up farmers' income

Aloke Chatterjee
htpletters@hindustantimes.com

PATNA: Information and public relations minister Brishan Patel urged farmers to shift to scientific agriculture and link their produce to food processing industry activity to enhance their income, which has largely remained stagnant over the past few decades.

Inaugurating a two-day national conference on 'Development of agriculture in Bihar- 2011, a farmer's journey from field to industry' at Planetarium auditorium here on Thursday, he claimed that Bihar had one of the most fertile lands in the world, but suffers from flood, drought and waterlogging.

Admitting that developing agriculture in Bihar under adverse conditions would be a Herculean task, Patel said that farmers, scientists and planners must strive to make Bihar a role model of development for other states to follow.

Storage, processing and marketing were three ills plaguing agriculture sector in Bihar, said Alok Kumar, MD, Inductus Foundation, organisers of the conference. Regretting that farmers were not getting remunerative prices for their produce, he expressed hope that if farm products were linked to factories and plants, their income was bound to improve.

Investment, research and planning in the farm sector are not given the same importance as in other sectors, leading to countrywide poverty and impending food scarcity, said Anil Kumar, director, Postal Services, Bihar.

Participants at the conference on development of agriculture in Bihar, in Patna on Thursday. AP DUBE / HT PHOTO

He suggested farmers should be given loans on easy terms for development of fisheries and floriculture to increase their income.

Maintaining, that agriculture was the backbone of Bihar's economy, contributing 24.7% of the GDP, Archan Deb, head, CII, Bihar, said that agro-based industries were coming up in large numbers. "Agriculture and agro-based industries have made it possible for Bihar to turnaround," he added.

Deb welcomed the Inductus Foundation initiative and promised full support on behalf of CII to link farmers with the market, noting that the state government was providing several incentives to agro-based industries.

EMPHASIS

- Agro-based industry growing at a fast pace
- Emphasis on linking farmers to industry
- Agriculture contributes 24.7% of GDP
- BSEB to launch 100 new vocational courses within six months
- 25 old courses to be replaced to meet industry expectations

100 new vocational courses in schools

Presiding over the conference, Rajmani Prasad Sinha, chairman, Bihar School Examination Board, announced that within six months he would replace the existing 25 vocational courses with outdated syllabus being taught in schools (in classes IX to XII) for the last 25 years with 100 new courses to keep pace with the demands of the industry.

Linking farms to industry would require a huge number of trained manpower, he added. "I want to produce not only students capable of getting jobs, but individuals who can create jobs for others," Sinha stated, hinting at launching 100 new vocational courses in the 2012-13 academic session.

He suggested that every school should be equipped to generate solar energy for running institutions in two shifts, one for traditional courses and the other for vocational courses to meet the demand of trained manpower. HTC

THE TIMES OF INDIA

THE TIMES OF INDIA, PATNA
FRIDAY, SEPTEMBER 23, 2011

Minister favours exclusive tech for small farmers

TIMES NEWS NETWORK

Patna: Minister for transport and IPRD Brishen Patel on Thursday underlined the need for connectivity between farmers and industries.

Speaking at a national conference on development of agriculture in Bihar, organized by Inductus Foundation, Patel said the technology developed for big farmers could not suit the needs of small and marginal farmers. Hence, there is a need to develop technology exclusively meant for them.

Over 200 scientists, industrialists, government officials, extension officers and professors and research scholars from different state universities and a large number of farmers participated in the programme.

Former CM and JD-U MP Ram Sundar Das said farmers in the state have huge potential which needs to be utilized. "If inputs like seeds, fertilizer and irrigation facilities are provided to the farmers in time, the yield will go up," he said and added the marketing of the produce by cooperatives would also help farmers in a big way.

Alok Kumar of Inductus Foundation expressed willingness on the part of his company to provide support to the farmers. "We are seriously working in the field of agriculture and will further expand our support to farmers," he said.

Minister for transport and IPRD Brishen Patel said the technology developed for big farmers could not suit the needs of small and marginal farmers. Hence, there is a need to develop technology exclusively meant for them, he said

हिन्दुस्तान

पटना • शुक्रवार • 23 सितम्बर 2011

'कृषि के विकास से ही राज्य का विकास'

दानापुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है। यहां लगभग 88 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर करते हैं। ऐसी स्थिति में यह जरूरी है कि कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए। इसके बिना राज्य का विकास असंभव है। फिलहाल स्थिति यह है कि पिछले कुछ वर्षों से सरकार हर स्तर पर प्रयास तो कर रही है, परंतु अब कई संस्थाएं भी कृषि को बढ़ावा देने के लिए आगे आने लगी हैं। इनमें इन्डक्ट्स फाउंडेशन भी एक है। यह बातें परिवहन मंत्री वृषिण पटेल ने गुरुवार को इन्डक्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में कहीं। कार्यशाला का विषय था 'बिहार में कृषि विकास-2011 खेत से कारखाना तक एक किसान की यात्रा'।

श्री पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सर्वप्रथम भारत में बिहार कृषि के विकास का रोड मैप बनाया जिसकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। उन्होंने बताया कि फसलों के उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री त्वरित उन्नत बीज वितरण योजना, राज्य में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना, कृषि कैबिनेट की बिहार में पहली बार स्थापना तथा 50 हजार पेड़ लगाकर हरित बिहार बनाने की योजना यह अंकित करता है कि राज्य सरकार हर प्रकार से कृषि को और आगे बढ़ाना चाहती है।

गुरुवार को तारामंडल में इंडक्ट्स फाउंडेशन की संगोष्ठी को संबोधित करते वृषिण पटेल।

इस मौके पर डाक विभाग के अनिल कुमार ने कहा कि पूरे देश में खाद्यान्न की कमी हो रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि कृषि के क्षेत्र जितना विकास होना चाहिए उतना नहीं हो पा रहा है। सरकारी स्तर पर विकास तो हो ही रहा है, आम लोगों को भी इसमें सहयोग के लिए आगे आने की जरूरत है। संस्था के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कहा कि बिहार की मिट्टी इतनी उपजाऊ है कि अगर हम चाहे तो देश में खाद्यान्न सामग्रियों की जो मांग है उसे पूरा कर सकते हैं। इस मौके पर डा. राजमणी सिन्हा, बालेश्वर शर्मा एवं अर्चनदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

दैनिक जागरण

पटना, 23 सितंबर 2011

कृषि में सूबे का अनुकरण करेगा देश : वृषिण पटेल

गुरुवार को तारामंडल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल मंत्री वृषिण पटेल व अन्य

- राजधानी में लगा वैज्ञानिकों का जमावड़ा
- कृषि बनेगी राज्य के विकास की वाहक

पटना, हमारे प्रतिनिधि : राज्य काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूबे में शुरू की गयी, कई योजनाओं की देश व दुनिया में सराहना की जा रही है। शीघ्र ही प्रदेश में कृषि के विकास के लिए चलायी जा रही योजनाओं का पूरा देश अनुकरण करेगा। ये बातें गुरुवार को स्थानीय तारामंडल सभागार में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह में सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री वृषिण पटेल ने कहीं।

सेमिनार का आयोजन इंडक्टस फाउण्डेशन के तत्वावधान में किया गया। सेमिनार का विषय है खेत से कारखाने तक किसान की यात्रा। मंत्री ने कहा कि सूबे में पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए कृषि कैबिनेट का गठन किया गया है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए इंडक्ट्स फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कहा कि सूबे के लिए कृषि ही सबसे बड़ा संसाधन है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए की कृषि के विकास के लिए समुचित उपाय किये जायें। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा.के.आर.मौर्या ने कहा कि सूबे की जमीन उपजाऊ है। लोग परिश्रमी हैं। पैदावार बढ़ायी जा सकती है। मौके पर आरएयू के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.पी.के. राय, मीठापुर कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डा.आर.एन. शर्मा, डा.वी.एन. सहाय, सीआइआइ के राज्य प्रतिनिधि अर्चन देव, कृषि वैज्ञानिक डा.वी.एन. सहाय एवं डा.आर.के.पी. सिन्हा सहित कई वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

प्रभात खबर

पटना, शुक्रवार, 23 सितंबर, 2011

अनुसरण करेगा देश

संवाददाता ■ पटना

इंडक्टस की 'खेत से उद्योग तक किसान की यात्रा' विषयक संगोष्ठी

सभी राज्यों का विकास होने पर ही देश की तरक्की संभव हो सकती है. ऐसे में बिहार को विकास का नया पैमाना तय करना होगा. जिस तरह बिहार का अनुसरण देश के अन्य राज्य कर रहे हैं, उसी तर्ज पर कृषि क्षेत्र में भी बिहार का अनुसरण देश के अन्य राज्य करेंगे. ये बातें सूचना व जनसंपर्क सह परिवहन विभाग के मंत्री वृशिण पटेल ने गुरुवार को ' खेत से उद्योग तक किसान की यात्रा ' विषयक इंडक्टस फाउंडेशन की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में कहीं.

उर्वर भूमि

उन्होंने कहा- राज्य की भूमि इतनी उपजाऊ है कि देश की आधी आबादी की खाद्य आपूर्ति बिहार कर सकता है. आज किसानों को उपजाऊ भूमि की पहचान कर वैज्ञानिक तरीके से खेती करनी चाहिए. इस संगोष्ठी से कृषि आत्म निर्भरता को और बल मिलेगा.

2012 तक होंगे 100 पाठ्यक्रम

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष राज मणी प्रसाद सिन्हा ने कहा कि कृषि को व्यवसाय से जोड़ने के लिए इससे जुड़े शैक्षणिक पक्ष पर प्रशिक्षण को बल मिलना चाहिए. राज्य में आज 25 व्यावसायिक विषयों की पढ़ाई करायी जा रही है, इसे वर्ष 2012 तक 100 से अधिक कर दिया जायेगा. इसके लिए पारंपरिक विषयों के साथ व्यावसायिक विषय की पढ़ाई को लिंक करने की योजना है.

दिये जायेंगे सोलर प्लांट

योजना को निरंतर बनाये रखने के लिए 300 किलोवाट का सोलर प्लांट विद्यालयों को तीन से छह माह के अंदर मुहैया कराया जायेगा.

कार्यक्रम में उपस्थित सूचना व जनसंपर्क सह परिवहन मंत्री वृशिण पटेल व अन्य. फोटो। प्रभात खबर

डाक विभाग के निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में तो बिहार का सहयोग रहता है लेकिन यह योगदान राज्य स्तर पर नहीं दिखता है. सीआइआइ के प्रतिनिधि अर्चन देव ने कहा कि राज्य के किसानों को बाजार से लिंक करने की जरूरत है. संगोष्ठी में इंडक्टस के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार, डॉ केआर मौर्य सहित छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल व ओड़िशा के करीब 40 किसान व अन्य प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया.

सन्मार्ग

पटना, शुक्रवार 23 सितंबर 2011

आधे भारत को अकेले अनाज खिला सकता है बिहार : पटेल

वरीय संवाददाता

पटना: राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क व परिवहन मंत्री वृशिण पटेल ने कहा कि बिहार की मिट्टी इतनी उर्वर है कि और यहां इतना अनाज उपज सकता है कि हम पूरा बिहार को खिलाकर आधे भारत को अनाज खिला सकते है। बस यहां के किसानों कोखेती की उचित तकनीक चाहिए। श्री पटेल ने कहा कि बिहार में बाढ़ व सुखाड़ के चलते कृषि कार्यक्रम को कमजोर करता है। श्री पटेल इण्डक्स के द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम यहां बिहार की तरक्की पर विचार करना चाहते है। और सरकार भी यही चाहती है। बिहार पहला राज्य है जहां कृषि के विकास के लिए कृषि कैबिनेट व कृषि रोड मैप बनाया है। उन्होंने कहा कि बिहार में कृषि के विकास के बिना देश में कृषि की तरक्की हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार मुल्क का परिवार है और किसी भी परिवार की

तरक्की परिवार के हर सदस्य की तरक्की पर निर्भर करता है। इसलिए बिहार तरक्की करेगा तब ही देश तरक्की करेगा यह देश के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम कहा करते थे। श्री पटेल ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि बिहार ऐसा तरक्की करे कि लाम साहब को यह कहना पड़े किउन्होने कहा कि राज्य सरकार के साथ-साथ उनकी पार्टी भी राज्य में हरित बिहार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान दे रही है। इस अवसर पर संस्था के एमडी आलोक कुमार ने संस्थान के द्वारा किए गए कार्यो की चर्चा की उन्होंने कहा कि मानव संसाधन को रास्ता देना व कृषि के क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना जरूरी है।उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भंडारण विपनण व प्रसंसकरण पर ध्यान दिया जाय तो यहां के किसानों की स्थिति सुधर सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डा. राजमणि प्रसाद सिंह व संचालन के एम मौर्य ने किया। इस अवसर पर अर्चन देव, सिद्धार्थ पटेल, व अनिल कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।

आज

शुक्रवार, २३ सितम्बर, २०११

बिहार आधा देश को खिला सकता है: वृशिण

पटना (आससे)। कृषि के बिना बिहार का विकास अधूरा है। इसलिए कृषि राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता में शामिल है। इसके विकास को गति देते हुए पहली बार

सूबे की मिट्टी काफी उर्वर

कृषि कैबिनेट का गठन किया गया है। उक्त बातें परिवहन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री वृशिण पटेल ने इंडक्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'एक किसान की यात्रा खेत से कारखाना तक' संगोष्ठी में कही। गुरुवार को स्थानीय तारामंडल में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में श्री पटेल नेकहा कि बिहार की मिट्टी काफी उर्वर है यदि खेती को व्यवस्थित कर दिया जाय तो बिहार आधे देशको खिला सकता है। इस अवसर पर श्री पटेल ने पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम का

स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डा. कलाम ने एक सेमिनार में कहा था कि हम भारतको दुनिया के विकसित मुल्कों में शामिल करना चाहते हैं। यह बिहार के विकास केबिना संभव नहीं होगा। बिहार की तरक्की केबिना देश की तरक्की नहीं होगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष राजमणी सिन्हा ने की। श्री सिन्हा नेकृषि एवं कृषि आधारित उद्योग, संयंत्र आदि के लिए दक्ष मानद शक्ति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है। इसके उत्पाद के मार्केटिंग के लिए निपुण व्यक्तियों की आवश्यकता है। इसलिए जरूरी है वोलेशनल कोर्स के माध्यम से इस तरह की शिक्षा दी जाय। बी.एस.ई.बी. में अगले छह महीना के अन्दर वोकेशनल कोर्स लागू हो जाएगा। इसके पूर्व संगोष्ठी में स्वागत भाषण इंडक्ट्स फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने किया। श्री कुमार ने कहा कि सूबे में मानव संसाधन की कमी नहीं हैं। इसे केवल दिशा देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में निदेशक डाक सर्विस, अनील कुमार, सी.आई.आई. के अर्चन देव, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं फाउंडेशन के निदेशक डा. के.आर. मौर्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सहारा

शुक्रवार • 23 सितम्बर • 2011

कृषि के बिना विकास संभव नहीं

पटना (एसएनबी)। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री वृशिण पटेल ने कहा है कि कृषि के बिना प्रदेश का विकास नहीं होगा। वृहस्पतिवार को वे इंडक्ट्स फाउंडेशन द्वारा राजधानी के तारामंडल में आयोजित बिहार में कृषि के विकास पर दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि सरकार की प्राथमिकताओं में है। इसके विकास को गति दी गयी है। आजादी के बाद पहली बार 'कृषि रोड मैप' तैयार किया गया जिसके तहत कृषि, पशुपालन, बागवानी, मत्स्यपालन और सहकारिता को लाया गया है क्योंकि सभी एक दूसरे के पूरक हैं। इनके लिए कई कार्यक्रम चलाए गए हैं जिनमें मुख्यमंत्री तीव्र बीज विस्तार योजना, बीज ग्राम योजना, मुख्यमंत्री तीव्र बागवानी योजना आदि शामिल हैं। श्री पटेल ने कहा कि झारखंड के अलग हो जाने के बाद कुछ लोग यह कहने लगे कि सारे कल-कारखाने झारखंड में चले गए। बिहार में कुछ नहीं बचा है। मगर शायद उन लोगों को बिहार के इतिहास एवं भूगोल का ज्ञान नहीं था। बिहार की मिट्टी दुनिया की सबसे ज्यादा उर्वर है। यदि यहां की खेती को व्यवस्थित कर दिया जाए तो बिहार आधा भारत को खिला सकता है। उन्होंने यह तथ्य उजागर किया कि उत्तर बिहार में प्रचुर पानी है। यहां अनेक नदियां हैं जबकि दक्षिण बिहार में पानी का अभाव है। ऐसे में जल प्रबंधन व सिंचाई की व्यवस्था एक भगीरथ कार्य है जिसे सरकार अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए विज्ञान पर आधारित कृषि और कृषि पर आधारित उद्योग की आवश्यक है। इनके समन्वय से विकास और गति पकड़ लेगा। उन्होंने वृक्षारोपण की चर्चा करते हुए कहा कि पेड़ की हम पूजा करते हैं।

बतायीं प्राथमिकताएं : संगोष्ठी को संबोधित करते वृशिण पटेल।

दैनिक जागरण

पटना, 24 सितंबर 201

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत

- दो दिवसीय सेमिनार में वैज्ञानिकों ने दिये कई सुझाव
- बागवानी फसलों के प्रसंस्करण के लिए आगे आने का आह्वान

पटना, हमारे प्रतिनिधि: सूबे में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देकर ही प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था विकसित की जा सकती है। वर्तमान में उत्पादित होने वाली सामग्री का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इसका सीधा नुकसान गरीब किसानों को उठाना पड़ता है और उनका लाभ- हानि में बदल जाता है। ये बातें शुक्रवार को इंडक्ट्स फाउण्डेशन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं संस्था के निदेशक डा. केआर मौर्या ने कही।

श्री मौर्या ने कहा कि सूबे में आम, लीची, अमरूद, केला एवं मक्का का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है। इन उत्पादों का प्रसंस्करण कर कई तरह के माल तैयार किये जा सकते हैं। मौके पर फाउण्डेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कहा कि कृषि बिहार के विकास में मुख्य माध्यम हो सकता है। यहां की जमीन काफी उपजाऊ है। लोग भी काफी परिश्रमी हैं। किसानों को खेत से कारखाना तक जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसानों को उद्यमिता का गुर सिखाने की जरूरत है। इसी से उनकी आय बढ़ायी जा सकती है।

मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा. उमेश कुमार सिंह, कृषि विशेषज्ञ अशोक कुमार, किसान नेता गिरेन्द्र नारायण शर्मा एवं शंकर चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय सहारा
शनिवार • 24 सितम्बर • 2011

खेती विकसित करने में सहयोग करें वैज्ञानिक

पटना (एसएनबी)। कृषि वैज्ञानिक व पूर्व कुलपति डॉ. केआर मौर्य ने खेती को विकसित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों से सहयोग करने का आह्वान किया है। शुक्रवार को वे राजधानी के तारामंडल के सभागार इन्डक्ट्स फाउन्डेशन की ओर से बिहार में कृषि के विकास पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

▶ कृषि विकास पर दो दिवसीय संगोष्ठी संपन्न

▶ वैज्ञानिकों ने 40 शोध पत्र प्रस्तुत किए किसानों को किया गया सम्मानित

उन्होंने कहा कि अब किसान की यात्रा खेत से खलिहान तक या खेत से बाजार तक सीमित नहीं है। इस यात्रा का अंतिम पड़ाव कारखानों तक है। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न सत्रों में चालीस शोध पत्र प्रस्तुत किए जिन पर विस्तार से चर्चा की गयी।

मंथन : तारामंडल सभागार में संगोष्ठी को संबोधित करते कृषि विशेषज्ञ।

संगोष्ठी में मुंगेर की ग्रीन लेडी श्रीमती जया देवी एवं भागलपुर के उमेश मंडल को कृषि में बेहतर योगदान करने के लिए सम्मानित किया गया।

तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. वीएन सहाय ने किसानों से बिहार में धान का उत्पादन दोगुना करने की अपील की। उन्होंने उन्नत एवं संकर बीज के उपयोग को उपज बढ़ोतरी का मुख्य बिन्दु बताया। पौध रोग विज्ञान के मुख्य वैज्ञानिक डा. राम कुमार प्रसाद ने धान के विभिन्न रोगों के नियंत्रण के गुर सिखाए। डा. अशोक सिंह ने तकनीकी सत्र के वैज्ञानिकों को अपने शोध पत्र के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के भयानक दुष्परिणाम से निपटने के लिए आनुवांशिकी के द्वारा सहनशील किस्मों के विकास पर जोर दिया।

फसल प्रजनन सत्र के अध्यक्ष डा. पीबी झा ने स्पेसलिटी मक्का का वर्णन करते हुए बेबी कार्न, स्वीट कार्न तथा पॉप कार्न की खेती पर बल दिया। डा. आरएन शर्मा ने ब्लैक राइस को भारत में लोकप्रिय बनाने की भूमिका पर विशेष चर्चा की। दौल प्रजनक डा.आरपी सिन्हा ने विभिन्न दाल की फसलों की उपज तथा उत्पादकता बढ़ाने की वकालत की।

प्रभात खबर

शनिवार, 24 सितंबर, 2011

हल्दी की खेती की अपार सभावना

पटना : बिहार में आम, लीची, केला व अमरूद की खेती के लिए 2.34 लाख हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाता है. लेकिन, इनकी खेती में उपयोग की जानेवाली भूमि के बीच की खाली जमीन का सही इस्तेमाल किया जाये, तो इनके साथ अन्य फसलों की भी खेती की जा सकती है. ऐसी स्थिति में सर्वाधिक उपयोगी व लाभदायक उत्पाद की संभावना जैविक हल्दी की खेती में ही दिखती है. ये बातें पूर्व कुलपति डॉ केआर मौर्य ने इंडक्ट्स फाउंडेशन द्वारा करायी गयी दो दिवसीय ' खेत से उद्योग तक कृषक की यात्रा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में तारामंडल सभागार में कहीं. उन्होंने कहा कि अगर इस सुझाव पर अमल किया जाये, तो राज्य में हल्दी का उत्पादन 526.25 लाख टन तक हो सकता है. इसके लिए राज्य के किसानों को समुचित प्रशिक्षण व्यवस्था मुहैया करानी चाहिए. इसके अलावा राज्य के किसानों को मधुमक्खी व मछली पालन के साथ-साथ फल-फूल के उत्पादन के प्रति जागरूक करने की जरूरत है. फसल प्रजनन सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ पीबी झा ने कहा कि राज्य में इंसेप्लिटी मक्का की अपार संभावना है. यह लाभदायक होने के साथ-साथ कृषि को आर्थिक गतिविधि से जोडनेवाला भी है.

हिन्दुस्तान

पटना • शनिवार • 24 सितम्बर 2011

खेत-खलिहान से कारखानों तक पहुंचें किसान

पटना। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसानों की भूमिका अब खेत-खलिहान से बाजार तक ही सीमित नहीं रहेगी। उनकी यात्रा का अंतिम पड़ाव कारखाना है। इसके लिए किसानों, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों व वैज्ञानिकों को मिलकर कोशिश करनी होगी, तभी किसानों की आर्थिक उन्नति होगी। इंडक्ट्स फाउंडेशन की ओर से बिहार में कृषि विकास मुद्दे पर तारामंडल सभागार में आयोजित सेमिनार के दूसरे दिन कृषि वैज्ञानिकों ने धान की उपज दोगुनी करने के लिए उन्नत व संकर बीज के प्रयोग पर बल दिया। फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार ने कहा कि किसान देश के कर्णधार हैं। अगले सेमिनार में राज्य के हर जिले के एक-एक किसान को उनके योगदान के लिए संस्था की ओर से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व कुलपति डॉ. केआर मौर्य, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. वीएन सहाय, डॉ. अशोक कुमार सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए। **हिप्र**